

परिशिष्ट B

पदानुक्रम-आधारित मॉडल के पक्ष में दी जाने वाली मान्यताओं का सारांश

आरेख: बीच में एक वृत्त है, जिस पर लिखा है: "अधीनता, अधिकार, सिर"। उसके चारों ओर नौ कथन हैं; हर कथन से एक तीर **भीतर की ओर**, वृत्त की ओर जाता है (घड़ी की दिशा में, ऊपर से आरंभ करते हुए):

- सृष्टि की व्यवस्था में पदानुक्रम
- उत्पत्ति 3:16 को नियम/आज्ञा समझा जाता है
- नाम रखने के द्वारा अधिकार
- diakonos केवल पुरुषों के लिए आरक्षित
- हव्वा धोखा खा गई, इसलिए स्त्रियाँ शिक्षा नहीं दे सकतीं
- सिर होने का अर्थ है अधिकार रखना
- 1 तीमुथियुस 2:11-12 – चुप्पी
- गलातियों 3:28 का अर्थ केवल आत्मिक समानता है
- स्त्रियों को कोई अधिकार नहीं हो सकता

स्त्री पुरुष के अधीन है, जैसे मसीह पिता के अधीन है। सामान्यतः परंपरावादी कहते हैं कि स्त्रियाँ पुरुषों की तुलना में हीन नहीं हैं, परंतु आत्मिक रूप से समान मूल्य की होते हुए भी उनके कार्य अलग हैं। इसका अर्थ यह होगा कि उनके कार्य उनके लिंग पर निर्भर करते हैं। इसका बाइबल आधारित तर्क यह दिया जाता है कि "सिर" का अर्थ अधिकार है; और क्योंकि मसीह कलीसिया का सिर (अधिकार) है और पुरुष स्त्री का सिर (अधिकार) है, इसलिए स्त्री को अधीन रहना चाहिए और उसे पुरुष पर कोई अधिकार नहीं हो सकता। इसलिए वह पुरुषों को शिक्षा नहीं दे सकती और प्रचार भी नहीं कर सकती।

इस परंपरावादी दृष्टिकोण में निम्नलिखित अर्थ मान लिए जाते हैं:

शब्द	अर्थ
‘ezer k’nägdo	समान मूल्य की सहायक का अर्थ है "अधीन"
kephale	सिर का अर्थ है "अधिकार"
authentain	इसका अनुवाद "अधिकार" किया जाता है
sigao	इसका अर्थ है "बोलना मना है"
hupotasso	इसका अर्थ है "पत्नी का पति के अधीन रहना", और कलीसिया इसे "स्त्रियों का पुरुषों के अधीन रहना" के अर्थ में अपना लेती है

मुख्य बाइबल-अंश के रूप में ये दिए जाते हैं:

- इफिसियों 5:22 (अधीनता)
- 1 तीमुथियुस 2:12 (मैं अनुमति नहीं देता)

- इफिसियों 5:23 और 1 कुरिन्थियों 11:3 (सिर)

(गलातियों 3:28 की व्याख्या केवल आत्मिक रूप से की जाती है – धर्मी ठहराए जाने की शिक्षा के एक महत्वपूर्ण कथन के रूप में – परंतु जीवन के व्यवहार पर इसका कोई ठोस प्रभाव नहीं माना जाता)

वरदान-आधारित मॉडल के पक्ष में दी जाने वाली मान्यताओं का सारांश

आरेख: बीच में एक वृत्त है, जिस पर लिखा है: “गलातियों 3:28”। उससे ग्यारह तीर **बाहर की ओर** निम्नलिखित कथनों तक जाते हैं (घड़ी की दिशा में, ऊपर से आरंभ करते हुए):

- योएल 2:28-29 – पुरुष और स्त्रियाँ मिलकर भविष्यद्वाणी करते हैं
- 1 कुरिन्थियों 12:1-31 – वरदान लिंग से बँधे नहीं हैं
- 1 कुरिन्थियों 15:22 – आदम ने पाप किया
- रोमियों 16:1 – फीबे diakonos है
- 1 तीमुथियुस 2:11 – स्त्रियों को सीखना चाहिए; संदर्भ में बात झूठी शिक्षाओं की है
- 1 कुरिन्थियों 14 – sigao का उद्देश्य आराधना सभा में व्यवस्था लाना है
- 1 पतरस 3:1-7 – एक दूसरे के अधीन रहना, एक दूसरे की सेवा, एक दूसरे से प्रेम, और साथ ही स्त्रियों के लिए अपना धर्म बदलने की स्वतंत्रता
- 1 कुरिन्थियों 11 – सिर परस्पर निर्भरता की ओर संकेत करता है; सांस्कृतिक और लैंगिक भेद मिटाए नहीं जाने चाहिए; संदर्भ अधिकार की नहीं, बल्कि स्रोत (उद्गम) की ओर संकेत करता है
- इफिसियों 5:21 – एक दूसरे के अधीन रहना
- फिलिप्पियों 4:2-3 – सुन्तुखे और यूओदिया सहकर्मिणियाँ हैं
- 1 कुरिन्थियों 7:4 – एक दूसरे पर स्वामित्व और एक दूसरे पर अधिकार

पुरुष और स्त्री दोनों समान रूप से परमेश्वर के स्वरूप में सृजे गए हैं; ताकि वे संगति में जीवन बिताएँ और इस संगति की सेवा करें – पवित्र आत्मा द्वारा बाँटे गए अपने वरदानों के आधार पर, न कि अपने लिंग के आधार पर। इस संगति का सार एक दूसरे के अधीन रहने और एक दूसरे के प्रति उत्तरदायित्व में है: सब सेवक बनें और अपने वरदानों से एक दूसरे की उन्नति में योगदान दें।

उद्धार के इस नए दृष्टिकोण में निम्नलिखित अर्थ मान लिए जाते हैं:

शब्द	अर्थ
‘ezer k’nägdō	समान मूल्य की सहायक का अर्थ है “आमने-सामने; एक दूसरे के लिए उपयुक्त”
kephale	सिर का अर्थ है “स्रोत”
authentēin	इसे एक दुर्लभ रूप से प्रयुक्त शब्द समझा जाता है, जो प्रभुत्व जमाने की ओर संकेत करता है
sigao	इसका अर्थ है ध्यान से सुन पाने के लिए स्वेच्छा से शांत रहना
hypotasso	इसका अर्थ है स्वेच्छा से अपने आप को व्यवस्था में ढालना / किसी के साथ जोड़ना, और इसका प्रयोग एक दूसरे के अधीन रहने के संदर्भ में होता है

मुख्य बाइबल-अंश के रूप में गलातियों 3:28 दिया जाता है, जो मसीह में सब मनुष्यों की समानता की ओर संकेत करता है और जिसे आत्मिक और व्यावहारिक दोनों रूपों में समझना चाहिए, क्योंकि मसीह में हमारी नई पहचान को प्रतिदिन जीना, उसमें हमारे जीवन की अनंत वास्तविकता से अलग नहीं किया जा सकता।